पौल–तिमोथी पाठ्यक्रम विषय सूची (A0m)

पौलुस–तिमुथि अगुवा–प्रशिक्षण भूमिका

पौलुस–तिमुथि अध्ययनमाला को कैसे प्रयोग करें? 00a
नये चरवाहों के प्रशिक्षकों से संबंधित निर्देश A0f
नये चरवाहों के प्रशिक्षण से संबंधित निर्देश A0a
बच्चों के शिक्षकों से संबंधित निर्देश A0b
सप्ताह के मध्य गतिविधियों का आयोजन करना A0c
कलिसिया के शरीरिक जीवन मे सहायता करना A0d
सामूहिक आराधना का संचालन व योजनाएं बनाना A0e

1. निश्चयः दुखी लोगों को परामर्श व सांत्वना देना

लज्जा व भय पर विजय पाना A2
व्यक्तिगत व पारिवारिक समस्याओं में परामर्श देना C8
युसुफ़ ने स्वतन्त्र करने वाले परमेश्वरीय अनुग्रह पाया G3
अधिकः एक कथा–अनुग्रह की नदी ६४ पृष्ठ G3
घरों में जाकर भेंट करना व प्रभु का अनुग्रह लाना V2
नशीली दवाओं व मद्यपान जैसी बुरी आदतों व अनैतिकता से छुटकारा C9

2. बाईबल : पालन व व्याख्या करना, आदर करना, सर्वेक्षण करना, मुख्य अंश

पुराना नियम

परमेश्वर के वचन के अधिकार का आदर करना A3
परमेश्वर के वचन की खोजबीन करना, सच्चाई से पालन करना B2
सभी ६६ पुस्तकों का सर्वेक्षण करना, वे सब परमेश्वर के वचन हैं B3
और : बाइबल की महत्वपूर्ण घटनाएं तथा कालक्रम B3
और : संपूर्ण बाइबल से ली गई कहानियां व सिद्धान्त B3
पंचग्रन्थ भाग–१ उत्पत्ति –पूर्वज या बाप–दादे P2-1
पंचग्रन्थ भाग–२ निर्गमन, दास स्वतन्त्र हुए P2-2
पंचग्रन्थ भाग–३ निर्गमन, परमेश्वर के नियम दिए गये P2-3
पुराने नियम की ऐतिहासिक पुस्तकें H3
पुराने नियम की काव्यात्मक पुस्तकें P4
पुराने नियम के भविष्यवक्ता : महान संदेश P9
पुराने नियम की भविष्यवाणियांः प्रभु यीशु के विषय P8

नया नियम

सुसमाचार पुस्तकें : मत्ती, मरकुस, लूका व यूहन्ना G2
प्रभु यीशु का जीवन–चरित्र, सेवकाई, मृत्यु व पुनरूत्थान J1
प्रेरितों के काम A1
और : प्रेरितों का आदर्श A1
और : कलीसियाओं की प्रगतिशील स्वतन्त्रता A1
नये नियम के पत्र : नये झुण्डों को परामर्श L2
यीशु ने यूहन्ना पर प्रकट किया कि भविष्य में क्या होगा R4

3. **कलीसियाएं स्थापित करनाः** नये समूह व झुण्ड आरम्भ करना, प्रभु के सेवकों का आदर सत्कार करना।
   घरों में तथा विशाल–समूहों में आराधना H6a
   पापियों को यीशु से भेंट करने के लिए एकत्रित करना S5a
   नई कलीसियाएं व प्रार्थना समूह आरम्भ करना C7a

4. **शिष्य बनाना :** यीशु की आज्ञापालन
   यीशु की आज्ञानुसार ही पतरस ने शिष्य बनाए। D3
   अपने महान राजा यीशु की आज्ञापालन करना F3
   माता–पिता अपने बच्चों को शिक्षा दें C3

5. **सुसमाचार–प्रचार, पापों से उद्धार, स्वर्ग व नरकः यीशु की गवाही देना प्रश्चात्ताप करना, विश्वास करना, नया जन्म पाना, बपतिस्मा लेना।**
   सुसमाचार फैलाना M2
   प्रश्चात्ताप करना और नया हृदय पाना R3
   पवित्रात्मा की सामर्थ से यीशु की साक्षी देना P5
   यीशु में नया, अनन्त व पवित्र जीवन S1
   परिवार व मित्रों का यीशु के विषय सुनने को एकत्रित होना W1
   संसार में पाप का प्रवेश S4

6. **दान :** दान देना सीखना, समय का सदुपयोग, आत्मनिर्भरता
   प्रभु की सेवा के लिये तथा आवश्यकताग्रस्त लोगों को देना G1
   आत्मनिर्भरता, स्वयं–रोज़गार, तम्बू बनाने वाले V3
   भंडारीपन, जो उत्तरदायित्व प्रभु ने सौंपा है विश्वासयोग्यतापूर्वक करना S3

7. **प्रभु में बढ़ना** : चरित्र–निर्माण तथा परिवर्तन
   पवित्रात्मा से परिपूर्ण जीवन H5
   आत्मिक परिवर्तन तथा धार्मिक जीवन C1
   परमेश्वर के जनों को नया बनाना R2

8. **महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएं :** ऐतिहासिक सुसमाचार संदेश, कलीसियाई इतिहास
   यीशु अद्‌भुद रूप से मानवीय रूप में जन्मा C3
   यीशु का जीवन–दायक मृत्कोत्थान E1
   मसीही धर्म का इतिहास भाग १, प्रथम ४०० वर्ष H4-1
   मसीही धर्म का इतिहास भाग २, सन् ४०० से १६०० वर्ष तक H4-2
   मसीही धर्म का इतिहास भाग ३, सन् १६०० से आज तक H4-3

9. **प्रेमः** आवश्यताग्रस्तों की सेवा करना, एकतापूर्वक कार्य करना, पारिवारिक जीवन, कलीसिया में परस्पर सहभागिता
   दूसरों की सहायता करके प्रेम दिखाना L4
   पारिवारिक जीवन, विवाह, बच्चों को प्रशिक्षित करना F2
   आवश्यकताग्रस्तों की सेवा करना D1
   कलीसियाएं व छोटे समूह एक दूसरे की सेवा करें I1
   व्यवहारिक रूप से प्रेम दिखाना C4

10. **सेवकाई** :अन्य संस्कृतियां तथा निरस्कृत लोग, प्रेरितिक दल, अनुसंधान, योजनाएं, सेवा–दर्शन
    अन्य संस्कृतियों में पहचान करना कि फसल तैयार है R5
    तिरस्कृत स्थानों में दलों का जाना T2
    अन्य संस्कृतियों के साथ कार्य करना T4
    उपेक्षित लोगों में मिशनरी भेजना S2
    विस्तश्त सेवकाई का दर्शन रखना V1

11. **आयोजन तथा अगुवाई करनाः** एक दूसरे की सेवा, दूसरे झुण्ड की सहायता, अनुशासन, झुण्ड की देखभाल
    प्रेम से एक दूसरे की सेवा करना C5
    अतिरिक्त : परमेश्वर के परिवार में एक दूसरे की सेवा C5
    एक दूसरे की सेवा के लिये छोटे समूह बनाना L1
    लाभदायक नियम व अनुशासन रखना C6
    एक दूसरे की सेवा के लिए झुण्ड बनाना O1
    नई कलीसियाओं के लिये क्षेत्रिय निरीक्षक R1
    परमेश्वरीय वरदानों द्वारा सेवा करना S6
    और : आत्मिक वरदानों की समझ S6
    चरवाहे संबंधी कर्तव्य निभाना P1
    और : परमेश्वर निरीक्षक देता है P1
    उपेक्षित लोगों में मिशनरी भेजना S2

12. **प्रार्थना तथा विश्वास :** कार्यरूप में विश्वास, चंगाई, निवेदन, आत्मिक संग्राम, पारिवारिक प्रार्थना
    प्रभावपूर्ण विश्वास के साथ प्रार्थना करना P6
    यीशु के नाम में चंगाई H2
    अब्राहम के समान कर्म सहित विश्वास करना Fla
    सताव सहना P3
    यीशु के नाम में शैतान से स्वतन्त्रता D2

13. **बाईबल आधारित शिक्षा देना :** यीशु के समान शिक्षा देना, कहानियों का प्रयोग करना तथा विचार–विमर्श करना।
    प्रभु परमेश्वर कैसा है, कहानियों द्वारा समझाना S7
    बच्चों को सिखाना कि जैसा परमेश्वर ने कहा वैसा पालन करना T1
    पिता, पुत्र एवं पवित्रात्मा एक हैं T5
    परमेश्वर को जानने में मूसा ने लोगों की सहायता की D4
    आराधना समय में विश्वासियों को सिखाएं P7

14. **अगुवों का प्रशिक्षण :** यीशु एवं प्रेरितों के समान नये अगुवों का प्रशिक्षित करना,
    अक्विल्ला और प्रस्किल्ला ने नए अगुवों को सिखाया M1
    पौलुस के समान नये चरवाहों को सिखाना E2
    यीशु व पौलुस समान अगुवे तैयार करना T3
    अधिक जानकारीः आज्ञापालन के साथ प्रशिक्षण (४८ पृष्ठ) T3

15. आराधनाः प्रभुभोज विधि मनाना, आत्मा में आराधना करना, विशेष–दिवस मनाना प्रभु यीशु का जन्म व पुनरूत्थान मनाना, देखें ऐतिहासिक घटनाएं–८,
प्रभु की मेज़ L3
अधिक जानकारी : अपने छोटे झुण्ड में प्रभुभोज मनाना L3
हारून एवं अन्य आराधना–अगुवे W2
धन्यवाद के साथ कटनी व आशीषों का आनन्द मनाना H1

Copyright 2003 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net